मध्य प्रदेश में नया रामसर स्थल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्र ने **मध्य प्रदेश** में तवा जलाशय को नया रामसर स्थल घोषित किया है।

मुख्य बिंदु

- **तवा जलाशय:**
  - यह **इटारसी शहर** के निकट **तवा और देनवा नदियों** के संगम पर स्थित है, इसे मूलतः सिंचाई के लिये बनाया गया था तथा अब यह बिजली उत्पादन एवं जलीय कृषि के लिये भी उपयोगी है।
  - यह जलाशय सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व के अंतर्गत आता है, जो सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और **बोरी वन्यजीव अभयारण्य** की सीमा पर स्थित है।
  - **मलानी, सोनभद्र और नागद्वारी नदियाँ** तवा जलाशय की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।
  - **तवा नदी,** नर्मदा नदी की बायीं तट पर स्थित एक सहायक नदी है, जो **छिंदवाड़ा ज़िले के** महादेव पहाड़ियों से निकलती है, बैतूल ज़िले से होकर बहती है और नर्मदापुरम ज़िले में नर्मदा नदी से मिलती है।
    - **यह नर्मदा नदी की सबसे लंबी सहायक नदी है।**
  - इस जलाशय में चित्तीदार हिरण और चित्रित सारस पाए जाते हैं।

रामसर अभिसमय (कन्वेंशन)

- रामसर अभिसमय (कन्वेंशन) एक अंतर्राष्ट्रीय संधि है जिस पर वर्ष 1971 में ईरान के रामसर में UNESCO के तत्वावधान में हस्ताक्षर किये गये थे, जिसका उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों का संरक्षण करना है।
  - भारत में यह अधिनियम **1 फरवरी, 1982 को लागू हुआ,** जिसके तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया गया।
- मॉन्ट्रेक्स रिकॉर्ड अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के उन **आर्द्रभूमि स्थलों** का रजिस्टर है, जहाँ तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप **पारिस्थितिक चरित्र में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं** या **होने की संभावना है।**
- इसे **रामसर सूची** के भाग के रूप में रखा गया है।

//

Drishti IAS

रामसर अभिसमय
(RAMSAR CONVENTION)

परिचय:

- इसे आर्द्रभूमियों पर अभिसमय के रूप में भी जाना जाता है।
- यह एक अंतर-सरकारी संधि है जिसे वर्ष 1971 में रामसर, ईरान में अपनाया गया।
- वर्ष 1975 में इसे लागू किया गया।
- ऐसी आर्द्रभूमियों को रामसर स्थल घोषित किया जाता है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्व रखती हों।
- **विश्व का सबसे बड़ा रामसर स्थल:** पैंटानल, दक्षिण अमेरिका।

मोंट्रेक्स रिकॉर्ड:

- वर्ष 1990 में मोंट्रेक्स (स्विटजरलैंड) में इसे अपनाया गया।
- यह उन रामसर स्थलों की पहचान करता है जिनके संरक्षण हेतु राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राथमिकता के साथ ध्यान देने की आवश्यकता है।

आर्द्रभूमियाँ:

- आर्द्रभूमि एक ऐसा स्थान है जहाँ भूमि मौसमी अथवा स्थायी रूप से जल (खारा या मीठा/ताजा अथवा इन दोनों के बीच की स्थिति) से ढकी होती है।
- यह नदियों, दलदल, मैंग्रोव, कीचड़ युक्त भूमि, तालाबों, जलमग्न स्थान, बिलबोंग (नदी की वह शाखा जो आगे चलकर समाप्त हो गई हो), लैगून, झीलों और बाढ़ के मैदानों सहित विभिन्न रूपों में हो सकती है।
- **विश्व आर्द्रभूमि दिवस:** 2 फरवरी

भारत और रामसर अभिसमय:

- भारत में रामसर अभिसमय वर्ष 1982 में लागू हुआ।
- **रामसर स्थलों की कुल संख्या:** 75
- चिल्का झील (ओडिशा), केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान), हरिके झील (पंजाब), लोकटक झील (मणिपुर), वुलर झील (जम्मू और कश्मीर) आदि।
- **भारत में संबंधित फ्रेमवर्क**
  - आर्द्रभूमियों के संरक्षण तथा प्रबंधन हेतु पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के प्रावधानों के तहत 'आद्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) अधिनियम, 2017' को अधिसूचित किया है।
  - ये नियम आर्द्रभूमियों के प्रबंधन को विकेंद्रीकृत करते हैं तथा राज्य आर्द्रभूमि प्राधिकरण या केंद्रशासित प्रदेश आर्द्रभूमि प्राधिकरण के गठन का प्रावधान करते हैं।

प्रमुख तथ्य

- **भारत में सबसे बड़ा रामसर स्थल:** सुंदरबन, पश्चिम बंगाल
- **भारत में सबसे छोटा रामसर स्थल:** वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स, तमिलनाडु
- **सर्वाधिक रामसर स्थल वाला राज्य:** तमिलनाडु (14)
- **मोंट्रेक्स रिकॉर्ड में शामिल आर्द्रभूमियाँ:**
  - केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान
  - लोकटक झील, मणिपुर

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-ramsar-site-in-madhya-pradesh